कृष्णा का उत्सव | by Neha Garg

मथुरा में जन्मे लल्ला हमारे
गोकुल में नन्द बाबा कृष्णा को संभाले
नेहा कहती है भादो महीने में
कृष्णा का उत्सव भूल नहीं जाना रे

बरसों से जैसे उत्सव मनाया है
सखियों के साथ मिल झूलना सजाया है
जैसा मेरा प्यार है लल्ला को किया है
हरे कृष्णा हरे रामा नाम हमेशा लिया है
हरे कृष्णा हरे कृष्णा, कृष्णा कृष्णा हरे हरे
हरे रामा हरे रामा रामा रामा हरे हरे

सुनो मेरे मोहन भक्तों के भगवन
माखन और मिश्री का भोग लगाना रे
नेहा की विनती भूल ना जाना रे
दास पे अपने कृपा बरसाना रे
कृष्णा का उत्सव भूल नहीं जाना रे
कृष्णा को पालने में मिलके झुलाना रे

कृष्ण कन्हैया दाऊ जी के भैया
चरणों से मुझको अपने लगाना रे
राधा रानी प्यारी ब्रिज की दुलारी
प्लीज मुझे जल्दी से वृन्दावन बुलाना रे
कृष्णा का उत्सव भूल नहीं जाना रे

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a5%83%e0%a4%b7%e0%a5%8d%e0%a4%a3%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%89%e0%a4%a4%e0%a5%8d%e0%a4%b8%e0%a4%b5-by-neha-garg/